भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
4, कालीदास मार्ग, पो. बाक्स सं. 135
देहरादून– 248 001, भारत
दूरभाष : +91–135–2524399
फैक्स : +91–135–2741987, 2748041

सत्यमेव जयते

Government of India
Department of Space
Indian Institute of Remote Sensing
4, Kalidas Road, P.B. No. 135,
Dehradun - 248 001, India
Telephone : +91-135- 2524399
Fax : +91-135- 2741987, 2748041

Dr. Prakash Chauhan
Director

No.: IIRS/GIT&DL/EDUSAT/WORKSHOP/2018/01
Date: May 2, 2018

विषय: "रिमोट सेन्सिंग तथा जीआईएस का हाइड्रोमेट्रोलॉजिकल आपदा प्रबंधन में अनुप्रयोग" पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की घोषणा

Sub: Announcement of one-day online workshop on "RS and GIS Applications in Hydro metrological Disaster Management."

प्रिय महोदय/महोदया

Dear Sir/Madam,

Greetings from IIRS.

सर्वप्रथम, हम आईआईआरएस दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (डीएलपी) को आगे बढ़ाने में आपके और आपकी टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करना चाहते हैं। आपके समर्थन और सहयोग के कारण, अब तक 750 से अधिक संस्थान / संगठन हमारे साथ नेटवर्क में जुड़ चुके हैं और 65,000 से अधिक पेशेवर और छात्र इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुये है। हम नए और चुनौतीपूर्ण पहलों में भाग लेने के लिए आपको आमंत्रित करके हमारे संबंधों को एक कदम आगे ले जाना चाहते हैं जो समाज और देश को लाभ पहुंचा सकता है।

At the outset, we would like to appreciate the efforts put in by you and your team in taking the IIRS Distance Learning Programme (DLP) forward. With your support and cooperation, now over 750 institutions/ organizations are networked with us and over 65,000 professionals and students have been benefited so far. We would like to take our relationship a step forward by inviting you to participate in new and challenging initiatives which can benefit the society and country.

कई जोखिम प्रकृतिक होतें हैं जो असुरक्षित भूमि उपयोग तथा पारिस्थितिक तंत्र से छेड़छाड़ के कारण आपदा बन जाते हैं। भारत भूस्खलन, प्रदूषण सहित बाढ़, फ्लैश बाढ़, सूखा, चक्रवात, चरम मौसम की घटनाओं जैसे प्रमुख आपदाओं हेतु प्रवण है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और भू-स्थानिक दृष्टिकोणों में नवाचारों ने यथासमय पता लगाने और आपदाओं की निगरानी के लिए नए आयाम खोल दिये है। इसके अलावा, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी भारत सरकार के बाढ़ और कृषि बीमा संबंधित कार्यक्रमों के लिए प्रमुख निविष्ट प्रदान करती है।

Hazards are natural and become disasters by affecting vulnerable land-uses, people and their infrastructure including ecosystems and resources. India is prone to a series of major disasters such as floods, flash floods, droughts, cyclones, extreme weather events, including the groundwater contamination. Innovations in space technology and geospatial approaches have catered newer dimensions for timely detection and monitoring of disasters. Also, the geospatial technology provides major input for flood and agriculture insurance related programs of government of India.

इस पृष्ठभूमि के साथ, 15 मई, 2018 को इंटरनेट (ऑनलाइन) के माध्यम से "रिमोट सेन्सिंग तथा जीआईएस का हाइड्रोमेट्रोलॉजिकल आपदा प्रबंधन में अनुप्रयोग" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया जाना प्रस्तावित हैं। इस प्रशिक्षण सत्र में हाइड्रोमेट्रोलॉजिकल संबंधी आपदाओं में "रिमोट सेन्सिंग तथा जीआईएस का हाइड्रोमेट्रोलॉजिकल आपदा प्रबंधन में अनुप्रयोग" पर व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल होंगे। कार्यक्रम के अंत में, आपके प्रश्नों को हल करने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र / पैनल चर्चा की योजना भी बनाई गई है।

With this background, a one day training workshop on "**Hydrometrological Disaster Management**" is being organized on May 15, 2018 through internet using online learning. The sessions would include lectures and demonstrations on RS and GIS applications in Hydro-meteorological disasters. At the end of the programme, an interactive session/panel discussion is planned to address your queries.

आपसे अनुरोध है कि इस पत्र को आप अपने संस्थान में व्यापक परिसंचरण करें और अपने छात्रों को कार्यशाला में भाग लेने और इस पहल का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करें। कृपया निम्नलिखित लिंक पर फॉर्म भरकर कार्यशाला के लिए पंजीकरण करें जो पूर्णतीय नि:शुक्ल हैं ।

You are requested to give this a wide circulation in your institute and encourage your students to attend the workshop and be a part of this initiative. Please register for the workshop by filling up the form at the following link which is free of cost.

https://elearning1.iirs.gov.in/edusat_lms/student_registration.php

कार्यशाला हेतु अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आप praveen@iirs.gov.in और poonam@iirs.gov.in पर अपने प्रश्न भेज सकते हैं।
हम आपके सहयोग, समर्थन और सक्रिय भागीदारी के आकांक्षी हैं।

You may send your queries at **praveen@iirs.gov.in** and **poonam@iirs.gov.in**.
Looking forward for your cooperation, support and active participation,

आप अधिक जानकारी के लिए आईआईआरएस वेबसाइट http //www.iirs.gov / Edusat-News में भी जा सकते हैं।
You may also visit IIRS website http //www.iirs.gov in/Edusat-News for further details.

अभिनंदन सहित

With regards and best wishes,

(Prakash Chauhan)

Encl: Workshop Brochure